प्र.मंत्री मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने पर भजनलाल ने मोती डूंगरी में पूजा की

उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर राजस्थान की साढे आठ करोड़ जनता की ओर से बधाई दी

जयपुर, 10 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मोती डूंगरी स्थित गणेश जी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देश व प्रदेश की उन्नति तथा प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस समयावधि में प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक कार्यों एवं निर्णयों से देश में सकारात्मक परिवर्तन आया है। जनकल्याण एवं विकास की योजनाएं, नक्सलवाद एवं आतंकवाद का खात्मा तथा दुनिया में बढ़ता भारत का गौरव इसका प्रमाण है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान की साढ़े 8 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि किसान कल्याण, नारी शक्ति वंदन, युवा सशक्तिकरण और सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन से 140 करोड़ देशवासियों में 'मोदी है तो मुमकिन है' की भावना का संचार हुआ है। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा कि 12 वर्ष के कालखण्ड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनेक जनकल्याणकारी पहल राजस्थान की धरती से हुई हैं। झुन्झुनूं से "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" अभियान का राष्ट्रीय विस्तार, "पोषण अभियान" का शुभारम्भ तथा अजमेर से "सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण" अभियान की शुरूआत इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री के सान्निध्य और मार्गदर्शन में प्रदेश विकसित राजस्थान-2047 के संकल्प की ओर तेजी से अग्रसर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि इस समयावधि में प्रधानमंत्री मोदी के ऐतिहासिक कार्यों व निर्णयों से सकारात्मक परिवर्तन आया। दुनिया में बढ़ा भारत का गौरव इसका प्रमाण है।**

ममता बनर्जी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोष दस्तीदार के नेतृत्व में 20 बागी सांसदों ने भी लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर खुद को अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग की है। बुधवार को ममता बनर्जी को दो और झटके लगे। पार्टी सांसद सायोनी घोष, जो ममता की सबसे मुखर समर्थकों में से एक थीं, बागी गुट के साथ चली गईं। वहीं वरिष्ठ नेता और ममता की करीबी मानी जाने वाली सुष्मिता देव ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। पूरी तरह राजनीतिक अलगाव का सामना कर रहीं ममता बनर्जी के बारे में खबर है कि यदि उन्हें अच्छा प्रस्ताव मिलता है तो वे कांग्रेस में शामिल होने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें पार्टी का उपाध्यक्ष पद देने और अभिषेक बनर्जी को महासचिव बनाने का प्रस्ताव दिया है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल गुरुवार को इस मामले पर चर्चा के लिए टीएमसी और कांग्रेस के राज्य अध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर सकते हैं। इस बात का संकेत देते हुए कि कांग्रेस शायद बनर्जी के लिए दरवाज़े पूरी तरह बंद नहीं करेगी, पश्चिम बंगाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा, "कौन किसके पास जा रहा है, यह उन्हें ही बताना है। विलय होगा या नहीं, मुझे नहीं पता। कांग्रेस यदि कोई फैसला लेती है तो वह सभी को इसकी जानकारी देगी।" विलय की संभावनाओं को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने भी एक महत्वपूर्ण संकेत दिया। उन्होंने कहा, "राजनीति संभावनाओं की कला है। जो भी राहुल गांधी के नेतृत्व को स्वीकार करता है और भाजपा से लड़ने की क्षमता रखता है, उसका कांग्रेस में स्वागत किया जाएगा।"

जनता उसी नेतृत्व को पसंद करती है जो संकट में साथ खड़ा रहे- पायलट

सकरघटा गाँव में राजेश पायलट की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम में सचिन ने किसान सम्मेलन को संबोधित किया

हिण्डौन सिटी, 10 जून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार को हिण्डौन क्षेत्र के सकरघटा गांव में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिनके साथ हमने काम किया है, उस प्रत्येक व्यक्ति का मैं दिल से सम्मान करता हूं। हमारे विचारों में मतभेद हो सकते हैं लेकिन मन में मतभेद नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजनीति का स्वरूप भले ही बदल गया हो, लेकिन जनता उसी नेतृत्व को पसंद करती है, जो संकट के समय लोगों के साथ खड़ा रहे।

- **पूर्व मंत्री रमेश मीणा ने कहा कि अशोक गहलोत और उनका, दोनों का नार्को टैस्ट करा लो। मैंने 10 करोड़ रूपए लिये या गहलोत ने निर्दलीय, बीटीपी व भाजपा विधायकों को कितने रूपए दिए, पता चल जाएगा।**

पायलट ने कहा कि प्रदेश में मनरेगा सहित कई जनकल्याणकारी योजनाओं की स्थिति खराब हो गई है, महंगाई लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम आमजन की पहुंच से बाहर हो रहे हैं। फसल खराब होने पर किसानों को समय पर राहत नहीं मिलती। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं सपोटरा के पूर्व विधायक रमेश चंद मीणा ने मंच से बहुत तीखे तेवर दिखाए। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गहलोत बार-बार दोहराते हैं कि मानेसर गए विधायकों को 10-10 करोड़ रुपये दिए गए। रमेश मीणा ने कहा, अगर उन्होंने 10 करोड़ लिए हैं तो उनका नार्को टेस्ट कराएँ और अपना भी नार्को टेस्ट कराएँ कि उन्होंने निर्दलीय, बीटीपी और भाजपा के विधायकों को कितने रुपये दिए। हमारे पास भी कागजात हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने हिण्डौन के सकरघटा गांव में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण किया।

आखिर भाजपा को मीनाक्षी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लीक हुए थे। विजयवर्गीय ने कहा, "हमें ये दस्तावेज किसने दिए? आप इससे कांग्रेस पार्टी की हालत समझ सकते हैं। हमें तेलंगाना से दस्तावेज मिल रहे हैं, जहां उनकी सरकार है।" उन्होंने एक कदम आगे बढ़ाते हुए यह भी कहा कि हो सकता है कि भाजपा को मदद कांग्रेस के भीतर से मिली हो। उन्होंने कहा, "हमें जानकारी कांग्रेस के अंदर के लोगों से ही मिली होगी।" सिर्फ भाजपा ही "आंतरिक साजिश" की बात नहीं कह रही है। तेलंगाना में विपक्षी दल बीआरएस ने भी राज्य में कांग्रेस के "आंतरिक सत्ता संघर्ष" को इस मामले के लीक होने और नटराजन के राज्यसभा नॉमिनेशन के खारिज होने के पीछे की वजह बताया है। मीनाक्षी नटराजन तेलंगाना में कांग्रेस की प्रभारी हैं। बीआरएस नेता एम कृशांक ने कहा, "नटराजन ने पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ड्रीम प्रोजेक्ट्स, जैसे एमयूएसआई (मुसी) ब्यूटीफिकेशन और खम्मम में तोड़-फोड़ (डेमोलिशन) व हैदराबाद विश्वविद्यालय के वृक्षों की कटाई जैसे विवादास्पद कदमों का विरोध किया था, जिससे राज्य सरकार के सामने परेशानी खड़ी हो गई थी।" तथापि, भाजपा सूत्रों के अनुसार, दस्तावेज किसी रहस्यमय कांग्रेस लीक के जरिए नहीं, बल्कि एक योजनाबद्ध राजनीतिक चैनल के जरिए मिले थे। समझा जाता है कि तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष रामचंद्र राव ने मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को मीनाक्षी नटराजन से जुड़े कागजात, जिनमें कोर्ट केस और कानूनी नोटिस शामिल थे, उपलब्ध कराए। एनडीटीवी को जानकारी मिली है कि ये दस्तावेज पिछले सोमवार को भोपाल भेजे गए। जैसे ही कागजात मध्य प्रदेश भाजपा नेतृत्व तक पहुंचे, पार्टी ने तुरंत कार्रवाई की। सूत्रों के अनुसार, खंडेलवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ब्रीफ किया। फिर भाजपा ने अपनी कानूनी रणनीति को अंतिम रूप दिया और रिटर्निंग ऑफिसर के सामने आपत्ति उठाने का काम पार्टी नेता राहुल कोठारी और पूर्व न्यायाधीश रोहित आर्य को सौंपा। इसके बाद जो हुआ, वह एक तीव्र कानूनी और राजनीतिक चुनौती थी, जिसने राज्यसभा चुनाव के समीकरण को पूरी तरह बदल दिया। यह विवाद 2022 के तेलंगाना के एक मामले से जुड़ा है, जिसमें एक महिला ने एक कांग्रेस नेता पर उत्पीड़न और धमकियों का आरोप लगाया था। महिला का दावा था कि उनकी शिकायत के बावजूद, कांग्रेस नेतृत्व ने रेड्डी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने यह मामला मीनाक्षी नटराजन के समक्ष भी उठाया था, जो उस समय तेलंगाना में कांग्रेस संगठन से जुड़ी थीं। हालांकि, कांग्रेस ने तर्क दिया कि नटराजन किसी भी एफआईआर में आरोपी नहीं थीं और उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ था। इसलिए पार्टी का कहना था कि नामांकन हलफनामे में इस मामले का उल्लेख करने की कोई कानूनी आवश्यकता नहीं थी।

बॉम्बे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कारण उन्हें और उनके परिवार को लगभग 10 महीनों से धमकियां मिल रही हैं।

न्यायमूर्ति पटेल के अनुसार, ये धमकियां अप्रैल 2024 में दिए गए उनके उस फैसले से जुड़ी हैं, जिसमें उन्होंने सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन को दाऊदी बोहरा समुदाय का वैध दाई-अल-मुतलक (सर्वोच्च आध्यात्मिक प्रमुख) घोषित किया था।

वर्तमान में यूनाइटेड किंगडम में रह रहे न्यायमूर्ति पटेल और उनके परिवार ने, वर्ष 2025 से लगातार डराने-धमकाने की कई घटनाओं का आरोप लगाया है।

सेवानिवृत्त न्यायाधीश के अनुसार, अगस्त 2025 के मध्य में लंदन के एक उपनगर स्थित उनके घर में घुसने की कोशिश भी की गई थी। इस घटना की शिकायत स्थानीय पुलिस में दर्ज कराई गई थी।

'दो अविवाहित वयस्कों के बीच सहमति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामाजिक धारणा को भी खारिज किया है कि यदि कोई संबंध विवाह तक नहीं पहुंचता, तो अवश्य ही किसी एक पक्ष के साथ गलत हुआ होगा। न्यायाधीशों ने स्पष्ट कहा कि हर संबंध का अंत विवाह में नहीं होता। इसलिए किसी संबंध के टूट जाने को अपने-आप में धोखा नहीं माना जा सकता। यह बात सुनने में सामान्य लग सकती है, लेकिन ऐसे देश में इसका बड़ा महत्व है, जहां ब्रेकअप के बाद अक्सर आरोप-प्रत्यारोप, सामाजिक जांच-पड़ताल और बढ़ते हुए कानूनी विवाद देखने को मिलते हैं। कई वर्षों से अदालतों के सामने ऐसे मामले आते रहे हैं, जिनमें लंबे समय तक चले संबंध बाद में विवाह के झूठे वादे के आरोपों वाले आपराधिक मामलों में बदल गए। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उस वास्तविकता को स्वीकार करता है, जिसे बहुत से लोग अपने जीवन में अनुभव कर चुके हैं, कभी-कभी संबंध केवल इसलिए समाप्त हो जाते हैं, क्योंकि वे सफल नहीं हो पाते। यह कोई कानूनी सिद्धांत नहीं है, लेकिन फैसले की मूल भावना को अच्छी तरह व्यक्त करता है। केवल असफल प्रेम संबंध को अपराध का प्रमाण नहीं माना जाना चाहिए। फैसले में बार-बार एक मूल सिद्धांत पर जोर दिया गया है - सहमति। अदालत ने कहा कि जब दो वयस्क लंबे समय तक किसी संबंध में रहते हैं, तो यह मानने का मजबूत आधार होता है कि वह संबंध सहमति पर आधारित था। इसका अर्थ यह नहीं है कि जबरदस्ती या शोषण के वास्तविक मामले अब मौजूद नहीं रहेंगे। लेकिन इसका अर्थ यह अवश्य है कि केवल संबंध टूट जाने के आधार पर गलत आचरण मान लेने में संस्थाओं को सावधानी बरतनी चाहिए। यदि देश की सर्वोच्च अदालत मानती है कि सहमति से बने विवाह-पूर्व संबंध किसी व्यक्ति के चरित्र का निर्धारण नहीं कर सकते, तो फिर समाज के इतने बड़े हिस्से में आज भी यह सोच क्यों बनी हुई है? आज भी परिवार अरेंज मैरिज की बातचीत के दौरान लोगों के पुराने प्रेम संबंधों की जांच-पड़ताल करते हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला विवाह-पूर्व यौन संबंधों पर चल रही बहस को समाप्त नहीं करता है, न ही लोगों को यह बताता है कि उन्हें अपने जीवन में कैसा आचरण करना चाहिए। यह तो भारत की एक प्राचीन धारणा को चुनौती देता है, जिसमें नैतिकता का आकलन व्यक्ति के रोमान्टिक अतीत के आधार पर किया जाता है। ऐसा करके अदालत ने चर्चा को निर्णयात्मक सोच से हटाकर आधुनिक भारत के लिए अधिक प्रासंगिक मुद्दों - सहमति, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अपने जीवन साथी का चुनाव करने की आजादी - की ओर मोड़ दिया है, बिना इस डर के कि किसी व्यक्ति के चरित्र पर जीवनभर के लिए दाग लग जाएगा, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह फैसला किसी एक लिंग के पक्ष में नहीं है। इससे दोनों पक्षों को लाभ मिल सकता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908